आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 321 | उज्जैन, शनिवार 11 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

समाज के सहयोग और सामाजिक संस्थाओं की सक्रियता से संभव हुए हैं सामुदायिक महत्व के कई कार्य-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सरस्वती विद्या मंदिर द्वारा की जा रही पहल सराहनीय संघ शताब्दी सभागार का हुआ लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि समाजिक संस्थाएं समाज के सहयोग से सामुदायिक महत्व के कार्यों का संपादन और अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करती हैं। समाज के सहयोग से कई स्थानों पर मंदिर, शालाओं और अन्य सामुदायिक महत्व के भवनों का निर्माण और अन्य महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हुए हैं। सरस्वती विद्या मंदिर द्वारा इस दिशा में की जा रही पहल और जनसामान्य द्वारा इसके लिए दिया जा रहा सहयोग सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रतलाम के काटजू नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर परिसर में नव

निर्मित 'संघ शताब्दी सभागार' का लोकार्पण करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया में कई देश सैन्य और आर्थिक रूप से मजबूत है, लेकिन भारत दुनिया का इकलौता देश है, जहां सनातन संस्कृति से समाज चल रहा है। हम शक्ति में विश्वास न करते हुए संस्कारों में विश्वास करते हैं और सर्वे भवन्तु सुखिनः के भाव के साथ चलते हैं। भारत हजारों सालों से विश्व गुरू रहा है हमने तक्षशिला, नालंदा, विक्रमादित्य विश्वविद्यालयों के माध्यम से दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई थी। दुनिया के कई देशों के लोग सुशासन की स्थापना के लिए अपने देश के नागरिकों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए भारत भेजते थे।सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री श्री चेतन्य काश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन के आधुनिक विश्वकर्मा हैं। उनके नवाचार और विकास के कार्य आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उनके मार्गदर्शन में प्रदेश में नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन हुआ है, हमें इसे विस्तार देना है।

शिल्पा शेट्टी की कंपनी क्यों नहीं चुका पाई 60 करोड़ रुपये का कर्ज? राज कुंद्रा ने दी सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा से जुड़े 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी मामले क जांच जारी है। इस बीच राज कुंद्रा ने अपनी सफाई दे दी है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी में उनको भारी नुकसान हुआ था। जिसकी वजह से कंपनी कर्जा नहीं चुका सकी।

दरअसल, राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी के खिलाफ एक व्यवसायी को ऋण-सह-निवेश सौदे में कथित रूप से धोखा देने का मामला दर्ज किया गया है। राज कुंद्र के मुताबिक, उनकी कंपनी इलेक्ट्रिकल और घरेलू उपकरणों का व्यापार करती थी। जो नोटबंदी के बाद आर्थिक रूप से संकट में आ गई। इसी वजह से उनकी कंपनी उधार ली गई रकम चुकाने में असमर्थ रही।

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा और राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी से जुड़े 60 करोड़ रुपये के कथित वित्तीय धोखाधड़ी मामले की जांच की जा रही है। EOW इस मामले में पहले ही शिल्पा शेट्टी से लगभग साढ़े चार घंटे तक पूछताछ कर चुकी है। वहीं, अब राज कुंद्रा का दूसरी बार बयान दर्ज किया है। कुंद्रा ने कहा कि वित्तीय संकट के कारण कंपनी उधार ली गई राशि चुकाने में असमर्थ है।

हम अपने देश में सुरक्षित नहीं, बेंगलुरु में महिला के साथ उबर ड्राइवर ने की बदतमीजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में उबर ऑटो ड्राइवर पर एक महिला यात्री ने दुर्व्यवहार और भेदभाव करने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला ने इस घटना का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। साथ ही इसमें उसने आपबीती बताई है। महिला का आरोप है कि ड्राइवर उससे कन्नर में बात करने के लिए बोल रहा है। जो उसे समझ में नहीं आती। जिसके बाद उबर वाला उसे मारने की कोशिश करता है।

महिला ने इस घटना को सोशल मीडिया के माध्यम से यह घटना सार्वजनिक की। इसके बाद पुलिस भी एक्शन में आ गई। बेंगलुरु पुलिस ने महिला से और जानकारी मांगी है, वहीं उबर की तरफ से इस घटना के लिए माफी मांगी गई है।

महिला को हुई असहजता- पीड़ित महिला ने आरोप लगया है कि ऑटो ड्राइवर ने यात्रा के दौरान न केवल उसके साथ गाली-गलौज की, बल्कि उसके प्रति भेदभावपूर्ण व्यवहार भी किया। महिला ने कहा कि ड्राइवर का व्यवहार बेहद अभद्र था, जिससे उसे असहजता महसूस हुई।

वाराणसी में दीपावली से पहले पुलिस अलर्ट, बाबा विश्वनाथ मंदिर की सुरक्षा बढ़ाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपर पुलिस आयुक्त शिव हरी मीणा ने बाबा विश्वनाथ गेट नंबर 4 से गोदौलिया गिरजाघर एवं नई सड़क पर फुट पेट्रोलिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि आज जुम्मे की नमाज और करवा चौथ का त्यौहार है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह फुट पेट्रोलिंग की गई है। इस अभियान में डीसीपी गौरव बंसवाल, एसीपी दशाश्वमेध शुभम कुमार सहित कई थानों के पुलिस जवान भी शामिल रहे।

जुम्मे की नमाज के मद्देनजर, पुलिस ने मिशन शक्ति और अवैध पटाखों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में फुट पेट्रोलिंग की जा रही है, जिससे लोगों के साथ संवाद स्थापित किया जा सके। महिलाओं के साथ वार्ता की जा रही है ताकि उन्हें अधिक सुरक्षा प्रदान की जा सके।

पुलिस ने यह सुनिश्चित किया है कि जहां भी पटाखों का भंडारण हो रहा है, वहां पर विशेष अभियान चलाकर उन्हें रोका जाए और सील किया जाए। इस अभियान में पुलिस प्रशासन के साथ फायर ब्रिगेड की टीम, बम डिस्पोजल टीम और अन्य संबंधित टीमें भी शामिल हैं। यदि किसी स्थान पर अधिक पटाखों का भंडारण पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और मुकदमा भी दर्ज किया जाएगा।

तमिलनाडु में दवाओं की टेस्टिंग में मिली थी भारी कमी, CAG की ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कोल्ड्रिफ कफ सीरप के सेवन से कई बच्चों की जान गई है। इस मामले ने लोगों को दहशत में डाल दिया है। अब इस मामले में जांच शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश के साथ कई राज्यों में इस दवा पर बैन लगा दिया दया है।

इन सब के बीच दवाओं की टेस्टिंग को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। दरअसल, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने पिछले साल की तमिलनाडु में दवा टेस्टिंग में भारी कमी की ओर इशारा किया था। अब कोल्ड्रिफ कफ सीरप से हुई नौनिहालों की मौत के बाद इस खुलासे ने लोगों के कान खड़े कर दिए हैं।

2024 की CAG रिपोर्ट में क्या कहा गया- गौरतलब है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन पर सामने आई ष्टत्त की रिपोर्ट में औषधि निरीक्षण और नमूने उठाने के लक्ष्यों को प्राप्त करने में कमियों को दर्शाया था। ये रिपोर्ट 10 दिसंबर 2024 को सामने आई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, 2016-17 में तमिलनाडु में 1,00,800 जांच का लक्ष्य रखा गया था; हालांकि, केवल 66,331 निरीक्षण ही किए जा सके थे। जिसका सीधा मतलब है कि टारगेट से 34 प्रतिशत कम जांच हो पाई थी। वहीं, करीब तीन साल बाद 2020-21 में दवाइयों की जांच के लिए जो टारगेट रखा गया उसमें 38 प्रतिशत की कमी देखने को मिली थी। इस अवधि के दौरान, 1,00,800 निरीक्षण किए जाने थे, लेकिन केवल 62,358 निरीक्षण ही किए गए।

दुर्गापुर-मुंबई इंडिगो विमान की रायपुर में इमरजेंसी लैंडिंग, फ्लाइट में कैंसर मरीज की मौत के बाद लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बर्दवान का रहने वाला युवक जो कैंसर पीड़ित था। गुरुवार की रात दुर्गापुर-मुंबई इंडिगो फ्लाइट से इलाज के लिए मुंबई जा रहा था। इसी दौरान वो फ्लाइट की सीट से बेहोश होकर गिर गया। जिसके बाद रायपुर के हवाईअड्डे में गुरुवार की आधी रात आपातकालीन लैंडिंग कराई गई।

फ्लाइट में बेहोश हुए युवक को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। अस्पताल में उसे डॉक्टरों ने मृष घोषित कर दिया।

इधर ट्रंप ने पीएम मोदी से की बात, उधर दिल्ली पहुंच गए US राजदूत; कितना अहम है दौरा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अमेरिका के नये राजदूत सर्जियो गोर ने अभी अपना कार्यभार तो नहीं संभाला है लेकिन वह गुरुवार को भारत के संक्षिप्त दौरे पर पहुंच गये हैं। सर्जियो गोर और ट्रंप प्रशासन में मैनेजमेंट व रिसोर्स विभाग में उप सचिव माइकल जे रिगास के साथ नौ अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक भारत दौरे पर रहेंगे।

इस दौरान उक्त दोनों अधिकारी भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों से मुलाकात करेंगे और भारत व अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों के तमाम आयामों पर बात करेंगे। अमेरिकी सरकार ने अपने इन दो अधिकारियों को जिस दिन भारत भेजा है उसी दिन पीएम नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बातचीत हुई है। इस वार्ता के बाद पीएम मोदी ने कहा है कि दोनों देशों के बीच कारोबारी वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है।

गोर ट्रंप के करीबियों में से एक- ऐसे में माना जा रहा है कि गोर की बातचीत में भारत-अमेरिका के बीच कारोबारी समझौते का विषय भी शामिल रहेगा। भारत और अमेरिका के संबंधों में यह संभवतः पहला मौका है जब राजदूत ने कार्यभार संभालने से पहले उस देश का दौरा किया और अधिकारियों से बात की है। गोर राष्ट्रपति ट्रंप के सबसे करीबी सहयोगियों में से है।

उन्हें भारत का राजदूत बनाने के साथ ही दक्षिण और मध्य एशिया का दूत भी नियुक्त किया गया है। इसका मतलब यह हुआ कि वह भारत के अलावा समूचे दक्षिण एशिया में अमेरिकी गतिविधियों के बीच सामंजस्य स्थापित करेंगे। इसका अमेरिका और भारत के कूटनीतिक सर्किल में विरोध भी हुआ है।

संक्षिप्त दौरे पर आए हैं गोर- बहरहाल, अमेरिकी विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि, भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर और मैनेजमेंट व रिसोर्स विभाग के उपसचिव माइकल जे रिगास भारत दौरे पर हैं।

अमेरिका भारत के साथ मिल कर सुरक्षित, संपन्न और मजबूत हिंद प्रशांत बनाने के लिए और रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने के लिए काम करता रहेगा।

अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने बताया कि, गोर का यह संक्षिप्त दौरा है। अभी वह भारत सरकार को बतौर राजदूत अपनी नियुक्ति का प्रपत्र पेश करने नहीं जा रहे हैं। इस बारे में तिथि का निर्धारण बाद में होगा।

कौन हैं मारिया कोरिना माचाडो? जिन्हें मिला 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना माचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया है। उन्हें लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने में उनके अथक प्रयास और तानाशाही से लोकतंत्र में शांतिपूर्ण संक्रमण के लिए उनके संघर्ष के लिए यह पुरस्कार मिला है।

समिति ने अपनी घोषणा करते हुए कहा, 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार शांति की एक साहसी और प्रतिबद्ध समर्थक को दिया जाता है, एक ऐसी महिला जो बढ़ते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखती है।÷ इस घोषणा से पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस पुरस्कार को जीतने की अटकलें लगाई जा रही थीं।

लोकतंत्र समर्थक आंदोलन की हस्ती- वेनेजुएला के लोकतंत्र समर्थक आंदोलन की एक हस्ती मचाडो, लैटिन अमेरिका में नागरिक साहस की एक सशक्त प्रतीक हैं। दशकों से उन्होंने निकोलस मादुरो के दमनकारी शासन का विरोध किया है, धमकियों, गिरफ्तारियों और राजनीतिक उत्पीड़न को सहन किया है।

लगातार खतरे में रहने के बावजूद, वह वेनेजुएला में ही रहीं और शांतिपूर्ण प्रतिरोध और स्वतंत्र चुनावों पर अपने आग्रह के माध्यम से लाखों लोगों को प्रेरित किया। नोबेल समिति ने उन्हें एक समय में खंडित विपक्ष में एक एकीकृत शक्ति के रूप में वर्णित किया, जिनके नेतृत्व ने राजनीतिक विभाजनों के पार स्वयंसेवकों को संगठित करने में मदद की।

वेनेजुएला के चुनाव में निभाई अहम भूमिका- वेनेजुएला के विवादित 2024 के चुनाव के दौरान जब शासन ने उनकी उम्मीदवारी पर रोक लगा दी थी, मचाडो ने विपक्षी प्रतिनिधि एडमंडो गोंजालेज उरुतिया का समर्थन किया था। उन्होंने मतदान केंद्रों की निगरानी, मतगणना का दस्तावेजीकरण और चुनावी धोखाधड़ी का पर्दाफाश करने के लिए नागरिकों के नेतृत्व वाले प्रयासों की देखरेख की, जबकि सरकार असहमति को दबाने की कोशिश कर रही थी।

समिति ने अपने बयान में कहा, मारिया कोरिना मचाडो ने दिखाया है कि लोकतंत्र के साधन शांति के साधन भी हैं। वह एक अलग भविष्य की आशा का प्रतीक हैं, जहां नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा की जाती है और उनकी आवाज सुनी जाती है।

कौन हैं मारिया कोरिना माचाडो- मारिया वेंटे वेनेजुएला की राष्ट्रीय समन्वयक हैं, जिसकी उन्होंने 2013 में सह-स्थापना की थी। इसके साथ ही वह नेशनल असेंबली की पूर्व सदस्य भी रहीं। इसके साथ ही स्वतंत्र चुनावों को बढ़ावा देने वाले नागरिक समाज समूह सुमाते और लोकतांत्रिक परिवर्तन की वकालत करने वाले गठबंधन सोयवेनेजुएला की स्थापना में मदद की। अमेरिकी राज्यों के संगठन में मानवाधिकारों के हनन की निंदा करने के बाद 2014 में उन्हें संसद से निष्कासित कर दिया गया था।

रक्षा संबंधों को विस्तार देने को भारत-ऑस्ट्रेलिया ने किए 3 समझौते, आतंकवाद पर राजनाथ सिंह नेदिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को सूचना साझा करने सहित तीन प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके आस्ट्रेलियाई समकक्ष रिचर्ड मार्लेस के बीच कैनबरा में हुई सकारात्मक वार्ता के बाद ये समझौते द्विपक्षीय रक्षा और सैन्य संबंधों को और विस्तार देने के लिए किए गए।

सूचना साझा करने पर समझौते के अलावा दोनों पक्षों ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जो पनडुब्बी खोज में सहयोग और ज्वाइंट स्टाफ वार्ता के लिए एक रूपरेखा तैयार करने पर आधारित होगा। दो दिवसीय यात्रा पर आस्ट्रेलिया गए राजनाथ ने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और विदेश मंत्री पेनी वोंग से भी मुलाकात की, और मुख्य रूप से संबंधों को और अधिक गतिशील बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कैनबरा में आस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

बहरहाल, दोनों रक्षा मंत्रियों ने एक स्वतंत्र, खुले, शांतिपूर्ण और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने में मदद के लिए क्षेत्रीय भागीदारों के साथ सहयोग बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया और इस क्षेत्र में नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता तथा निर्बाध व्यापार के लिए अपने मजबूत समर्थन को रेखांकित किया। यह संकल्प रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता की पृष्ठभूमि में लिया गया है। राजनाथ-मार्लेस बैठक में दोनों पक्षों ने समुद्री सुरक्षा, रक्षा उद्योग सहयोग और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में संयुक्त अनुसंधान सहित व्यापक क्षेत्र में रक्षा सहयोग को गहरा करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

...तो खामियाजा भुगतने को तैयार रहें, अफगानिस्तान पर भड़के पाकिस्तान के रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंक को पनाह देने वाला पाकिस्तान, अफगानिस्तान में अपना एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना बना रहा है, ताकि अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को बताया जा सके कि पाकिस्तान अब सीमा पार आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा

पाकिस्तानी अखबार डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पाक नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान को निशाना बनाकर आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान की जमीन के लगातार इस्तेमाल को लेकर उसका धैर्य जवाब दे चुका है। आसिफ ने उन लोगों के खिलाफ सामूहिक प्रतिक्रिया का आह्वान किया जो आतंकवादियों को पनाह दे रहे हैं , चाहे वे पाकिस्तान के अंदर हों या अफगानिस्तान में, साथ ही आसिफ ने तालिबान सरकार को चेतावनी दी है कि अगर वो आतंकवाद पर लगाम लगाने में असमर्थ रहे तो खामियाजा भुगतने को तैयार रहे।

आतंकवादियों के मददगारों को चेतावनी- डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने अफगानिस्तान के साथ-साथ पाकिस्तान के अंदर आतंकवादियों के मददगारों को चेतावनी देते हुए कहा, बस बहुत हो गया। हमारे धैर्य की सीमा है।

अस्त्रके प्रदर्शन से डरी पाकिस्तान सरकार, रावलपिंडी और इस्लामाबाद में अनिश्चित काल के लिए इंटरनेट बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के इस्लामाबाद और रावलपिंडी में मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं को बंद कर दिया गया है। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला एक धार्मिक समूह के प्रदर्शनकारियों के प्रवेश को रोकने के लिए किया है। राजधानी इस्लामाबाद की ओर जाने वाली प्रमुख सड़कों को बंद कर दिया गया है। साथ ही उनके संचार को बाधित करने के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई है। दरअसल, दक्षिणपंथी चरमपंथी समूह तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने गाजा में हुई हत्याओं के विरोध में शुक्रवार को इस्लामाबाद में एक मार्च निकालने की घोषणा की। टीएलपी के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए पाकिस्तान सरकार द्वारा इस तरह का कदम उठाया गया है।

सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन की टीम पूरी तरह मुस्तैद है। गृह मंत्रालय ने सभी मुख्य सड़कों को सील कर दिया है। साथ ही दूरसंचार नियामक, पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) को एक पत्र जारी करके इस्लामाबाद और रावलपिंडी शहरों में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद करने का आदेश दिया है।

जहां तक नजर जाए सिर्फ गाड़ियां ही गाड़ियां, चीन का ये नजारा देख भूल जाएंगे दिल्ली और गुरुग्राम का जाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के अनहुई प्रांत के सबसे बड़े टोल स्टेशन पर सोमवार, 6 अक्टूबर को राष्ट्रीय दिवस और मध्य-शरद उत्सव की आठ दिनों की छुट्टियों के बाद लाखों यात्रियों के घर लौटने के दौरान भारी ट्रैफिक जाम लग गया। वुझुआंग टोल स्टेशन पर वाहनों की कतारों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वुझुआंग टोल स्टेशन पर 36 लेन हैं, लेकिन महाजाम की वजह से लाल टेल लाइटों से जगमगाता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि टोल गेट पार करने की कोशिश में एक के बाद एक कई गाड़ियां कतार में खड़ी हैं। टोल स्टेशन पर आखिरी दिन 1,20,000 से ज्यादा गाड़ियों के आने की उम्मीद थी।

क्यों लगा इतना लंबा जाम- ड्रोन फुटेज में कई वाहनों को टोल गेट से गुजरने के लिए कई लेन में चलते हुए दिखाया गया है। मध्य-शरद ऋतु का त्योहार चीन में पारिवारिक समारोहों के लिए महत्वपूर्ण होता है और इस साल यह राष्ट्रीय दिवस की छुट्टी के साथ ही पड़ा। इसके परिणामस्वरूप यह अवकाश सामान्य अवधि से बढ़कर 1 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक चला।

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष छुट्टियों के दौरान लगभग 888 मिलियन यात्राएं की गईं, जबकि पिछले वर्ष सात दिन की छुट्टियों के दौरान 765 मिलियन यात्राएं की गई थीं। वुझुआंग टोल स्टेशन पर भारी ट्रैफिक जाम ने कई वाहन चालकों को चीनी नए साल की भीड़ की याद दिला दी।

हमेशा हमारे खिलाफ, लेकिन उनके..., तालिबान के विदेश मंत्री की भारत यात्रा ने दी पाकिस्तान को टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुतक्की इस समय भारत की यात्रा पर हैं। तालिबानी विदेश मंत्री की ये भारत यात्रा पाकिस्तान को बिल्कुल अच्छी नहीं लग रही है। यही वजह है कि पाकिस्तान तालिबान को कठघरे में खड़े करने में लग गया है।

दरअसल, एक साक्षात्कार के दौरान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भारत और तालिबान के रिश्तों पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि अफगान हमेशा से भारत का वफादार रहा है और पाकिस्तान के खिलाफ कल भी था और आगे भी रहेगा।

गौरतलब है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का ये बयान ऐसे समय पर आया है, जब अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री अमीर खान मुतक्की भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वर्तमान में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं। वहीं, आसिफ ख्वाजा ने पाकिस्तान की पूर्व सरकारों की आलोचना की है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि पाक की पूर्व की सरकारों ने अफगान शरणार्थियों को देश में बसाने का फैसला अमेरिका के दबाव में लिया।

पाकिस्तान पहले भी दे चुका है पाक को धमकी- ध्यान देने वाली बात है कि इससे पहले भी पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान को चेतावनी दी थी। उन्होंने पाकिस्तान की नेशनल अलसेंबली में बोलते हुए पाक को चेतावनी दी थी। उस दौरान ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि अंक बहुत हो गया है। हमारा सब्र जवाब दे चुका है।

जैश-ए-मोहम्मद में अब होगी महिलाओं की भर्ती, ऑपरेशन सिंदूर में बर्बाद होने के बाद मसूद अजहर की नई चाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के खिलाफ आतंकी हमले की साजिश रचने वाले जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) एक बार फिर अपनी सक्रियता बढ़ाने की कोशिश में लगा है। इस प्रतिबंधित आतंकी संगठन ने अपनी पहली महिला शाखा के गठन की घोषणा की है।

दरअसल, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में स्थित जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों को नष्ट किया था। मसूद अजहर के नेतृत्व वाले इस आतंकी संगठन समूह ने हमेशा से महिलाओं को सशस्त्र या युद्ध अभियानों में भाग लेने से प्रतिबंधित किया है। हालांकि, वह अब इसमें एक बड़ा बदलाव करने जा रहा है।

जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन में महिलाओं की भर्ती करेगा मसूद अजहर

माना जा रहा है कि मसूद अजहर के नेतृत्व वाले इस आतंकवादी समूह ने बुधवार को जमात-उल-मोमिनात के गठन के माध्यम से अपनी रणनीति में बदलाव की घोषणा की। इससे पहले ये आतंकी संगठन महिलाओं की भर्ती की अनुमति नहीं देता था। बताया जा रहा है कि इस प्रतिबंधित आतंकी संगठन में महिलाओं की भर्ती बहावलपुर स्थित मरकज उस्मान-ओ-अली से शुरू हुई।

एनडीटीवी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया कि महिलाओं की इस विंग का नेतृत्व मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर करेंगी। मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर का पति यूसुफ अजहर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मरकज सुभानअल्लाह स्थित जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय पर भारतीय सेना द्वारा किए गए हमले में मारा गया था।

एनआईओएस छात्रों के दाखिले पर यूजीसी-एआईसीटीई की सख्त चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ओपन स्कूलिंग (एनआइओएस) से पढ़े छात्रों को दाखिला देने में आनाकानी करने वाले इंजीनियरिंग सहित देश के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) ने कड़ी फटकार लगाई है। साथ ही कहा है कि वे एनआइओएस के दसवीं और बारहवीं पास करने वाले छात्रों को दाखिला देने से मना नहीं कर सकते है।

सीबीएसई, आइसीएसई की तरह शिक्षा मंत्रालय से संबद्ध यह भी एक स्वायत्त स्कूली बोर्ड है। इसके पाठ्यक्रम व प्रमाण पत्र पूरी तरह से प्रमाणिक और वैध है। यूजीसी और एआइसीटीई ने इंजीनियरिंग सहित देश भर के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को यह निर्देश तब दिया है जब कोलकाता के एक इंजीनियरिंग संस्थान ने एक छात्र को सिर्फ इस आधार पर दाखिला देने से मना कर दिया था कि वह एनआइओएस से पढ़ कर आया है।

छात्र ने संस्थान के इस रवैए के खिलाफ एआइसीटीई से शिकायत की और न्याय की मांग की। इसके बाद एआइसीटीई ने पूरे मामले की जांच के बाद संबंधित संस्थान को दाखिला देने का निर्देश दिया। साथ ही यूजीसी व एआइसीटीई ने देश भर के सभी इंजीनियर सहित उच्च शिक्षण संस्थानों को एनआइओएस से पढ़ने वाले छात्रों को दाखिला देने से मना न करने के निर्देश दिए।

एआइसीटीई ने संस्थानों को दिए निर्देश में साफ कहा है कि एनआइओएस से पास छात्रों को भी दूसरे स्कूल बोर्डों की तहत तय मापदंडों को पूरा करने पर दाखिला दिया जाए।

जुबीन गर्ग के निजी सुरक्षा अधिकारियों की गिरफ्तारी, खातों से किया गया लाखों का लेन-देन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जुबीन गर्ग के दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) को पिछले महीने सिंगापुर में गायक की मौत के मामले में शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि जुबीन गर्ग की सुरक्षा के लिए सरकार की ओर से नियुक्त किए गए दो निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) नंदेश्वर बोरा और परेश बैश्य को असम पुलिस ने मंगलवार को कई बार पूछताछ के बाद निलंबित कर दिया। उनके बैंक खातों के माध्यम से कई लाख रुपये के वित्तीय लेन-देन किए गए, जिससे संदेह उत्पन्न हुआ।

अब तक इतने लोगों की हो चुकी है गिरफ्तारी- इस गिरफ्तारी के साथ गर्ग की मौत के संबंध में अब तक कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले, पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के आयोजक श्यामकानू महंता, गायक के चचेरे भाई संदीपन गर्ग, उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा, संगीतकार शेखरज्योति गोस्वामी और गायक अमृतप्रवा महंता को गिरफ्तार किया गया था।

असम के लोगों के लिए एक सांस्कृतिक प्रतीक की हैसियत रखने वाले जुबीन गर्ग का विगत 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय निधन हो गया था।

पुणे में एनडीए कैडेट की संदिग्ध मौत, हॉस्टल के कमरे में लटकता मिला शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, (एनडीए) के प्रथम वर्ष के एक कैडेट का शव शुक्रवार तड़के त्रि-सेवा प्रशिक्षण अकादमी के छात्रावास के कमरे में फंदे से लटका मिला। पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है। एनडीए ने कहा कि उसकी मौत की कोर्ट आफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, कैडेट अंतरिक्ष कुमार सिंह के सहपाठियों ने सुबह उसे उसके कमरे में फंदे से लटका देखा। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर कोई नोट नहीं मिला है, लेकिन प्रारंभिक जांच से आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है।

सैन्य अस्पताल में कैडेट ने तोड़ा दम- एनडीए ने बयान में कहा कि कैडेट को उसके साथी कैडेटों ने सबसे पहले देखा। उसे तुरंत खड़कवासला के सैन्य अस्पताल ले जाया गया, जहां सुबह 6.30 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया।

अकादमी ने कहा कि परिजनों और स्थानीय पुलिस को सूचित कर दिया गया है और घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट आफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं। इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं।

भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देंगे, जयशंकर से मुलाकात में बोले अफगानिस्तान के विदेश मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी इस भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। अफगानिस्तान में तालिबन सरकार के बनने के बाद मुत्ताकी की ये पहली भारत की यात्रा है। उन्होंने आज विदेश मंत्री एस जयशंकर से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत और अफगानिस्तान में हमेशा दोस्ती बनी रहेगी।

दरअसल, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने शुक्रवार को कहा कि इस्लामिक अमीरात किसी भी ताकत को अन्य देशों के खिलाफ अफगान क्षेत्र को धमकाने या उसका इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा। नई दिल्ली में देश मंत्री एस जयशंकर के साथ वार्ता में उन्होंने ये बातें कहीं।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्ताकी ने एस जयशंकर से मुलाकात के बाद भारत की जमकर तारीफ की है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि अफगानिस्तान ने कभी भी भारत के खिलाफ बयानबाजी नहीं की है और हमेशा भारत के साथ अच्छे संबंधों को महत्व दिया है। आगे कहा कि अफगानिस्तान आपसी सम्मान, व्यापार और लोगों के बीच आपसी संबंधों पर आधारित संबंध चाहता है।

दिल्ली के हैदराबाद हाउस में आयोजित एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक दौरान अपने शुरुआती भाषण में मुत्ताकी ने कहा कि अफगानिस्तान कभी भी किसी को अपने क्षेत्र का इस्तेमाल दूसरों के खिलाफ करने की अनुमति नहीं देगा।

आगे कहा कि अमेरिकी कब्जे के दौरान कई उतार-चढ़ाव आए। उस समय हमने कभी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया। बल्कि, हमने हमेशा भारत के साथ अच्छे संबंध बनाने की कोशिश की। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने अपने संबोधन में भारत के साथ अपने देश की दोस्ती की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि किसी भी विकट परिस्थिति में भारत अफगानिस्तान के साथ खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि जब अफगानिस्तान में विनाशकारी भूकंप आया था, उस वक्त भारत पहला देश था जिसने मानवीय प्रयासों के साथ प्रतिक्रिया दी। अफगानिस्तान भारत को एक घनिष्ठ मित्र के रूप में देखता है।

नीति आयोग ने सरकार के सामने रखा असंगठित कार्यबल की तकनीकी व वित्तीय क्षमता बढ़ाने का रोडमैप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के दौर में लगातार चर्चा है कि पेशेवरों को कितना नुकसान होगा और कितना लाभ। इस बीच नीति आयोग की नजर उस असंगठित क्षेत्र पर गई है, जिसकी कुल कार्यबल में 90 प्रतिशत की हिस्सेदारी है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 50 प्रतिशत का सहयोग है।

आयोग के विशेषज्ञों का मत है कि एआइ सहित अन्य तकनीकी सहयोग इस क्षेत्र को दिया जाए तो असंगठित क्षेत्र के यह करीब 49 करोड़ कामगार विकसित भारत के लिए आर्थिकी की रीढ़ बन ग्रोथ इंजन साबित हो सकते हैं। डिजिटल श्रमसेतु के नाम से राष्ट्रीय मिशन के प्रस्ताव के साथ आयोग ने केंद्र सरकार को रोडमैप भी सौंपा है, जिसमें क्षमता वृद्धि के लिए वर्ष 2035 को एक महत्वपूर्ण पड़ाव या मील के पत्थर के रूप में चिन्हित किया गया है।

एआइ फार इन्क्लूसिव सोसाइटल डेवलपमेंट नाम से बनाए गए रोडमैप में नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने स्पष्ट तौर पर अपना मत दिया है कि निर्माण, कपड़ा, खाद्य सेवाओं, देखभाल और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में अपनी बड़ी भूमिका के बावजूद असंगठित क्षेत्र के श्रमिक कम उत्पादकता वाले असुरक्षित वातावरण में काम कर रहे हैं। एआइ और अन्य तकनीकें भारत के असंगठित व्यापार कार्यबल की क्षमता को अच्छी तरह सामने ला सकती हैं और उन्हें विकसित भारत की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में बदल सकती हैं, बशर्ते इन्हें सोच-समझकर और समावेशी तरीके से लागू किया जाए।

आयोग ने असंगठित क्षेत्र के संदर्भ में पांच मुख्य चुनौतियों की पहचान की है। इनमें वित्तीय असुरक्षा, सीमित बाजार पहुंच, कौशल की कमी, अपर्याप्त सामाजिक सुरक्षा और इनकी कम उत्पादकता है। यह चुनौतियां इस क्षेत्र को अपनी पूरी क्षमता का उपयोग करने से रोक रही हैं। रोडमैप में चर्चा की गई है कि कैसे एआइ, इंटरनेट आफ थिंग्स, ब्लाकचेन, रोबोटिक्स और इमर्जिव लर्निंग जैसी तकनीक का उपयोग भारत के असंगठित क्षेत्र के कार्यबल के सामने आने वाली बाधाओं को दूर कर सकता है।

Arattai की प्राइवेसी को लेकर यूजर ने पूछा अतरंगी सवाल तो जोहो के फाउंडर वेंबू बोले- 'Trust Me Bro'

नई दिल्ली (एजेंसी)। जोहो का मैसेजिंग ऐप Arattai पिछले कुछ हफ्तों में काफी लोकप्रिय हो गया है। यह ऐप मेटा के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप की तरह काम करता है, जिससे यूजर्स मैसेज, फोटो, वीडियो और दस्तावेज भेज सकते हैं, वॉइस और वीडियो कॉल कर सकते हैं, स्टोरीज शेयर कर सकते हैं और चैनल मैनेज कर सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट वायरल हो रही है, जिसमें एक यूजर ने ऐप में प्राइवेसी को लेकर सवाल उठाया है। उसने लिखा, मैंने जोहो के संस्थापक से पूछा कि Arattai चैट ऐप इस्तेमाल करते समय पति-पत्नी के बीच शेयर की जाने वाली तस्वीरें कितनी निजी होती हैं। उनका जवाब था- मुझ पर भरोसा करो भाई!

वेंबू ने क्या कहा- जोहो के संस्थापक श्रीधर वेंबू ने पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, ÷मैंने यह स्पष्ट रूप से कहा। हमारा पूरा ब्रूस व्यवसाय इस विश्वास पर आधारित है कि हम ग्राहक डेटा तक पहुंच नहीं बनाते हैं और हम इसका उपयोग उन्हें सामान बेचने के लिए नहीं करते हैं। एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन एक तकनीकी विशेषता है और यह आ रही है। विश्वास कहीं अधिक मूल्यवान है और हम वैश्विक बाजार में प्रतिदिन उस विश्वास को अर्जित कर रहे हैं। हम अपने उत्पाद के प्रत्येक उपयोगकर्ता के उस विश्वास को हर जगह पूरा करना जारी रखेंगे।÷सोशल मीडिया पर मिली प्रतिक्रिया

जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई, सोशल मीडिया पर लोग प्राइवेसी को लेकर चर्चा करने लगे और कमेंट सेक्शन में तरह-तरह के विचार आने लगे। एक यूजर ने कमेंट किया, क्या आपको पता है कि व्हाट्सएप कब एंड-टू-एंड एन्क्रिप्टेड था?

एक अन्य यूजर ने लिखा, व्हाट्सएप में एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन 2016 तक उपलब्ध नहीं था। Arattai नया है और इसमें सुधार हो रहा है। अगर कोई अच्छा काम कर रहा है तो उसे धमकाने की कोशिश न करें।

तीसरे यूजर ने टिप्पणी की, किसी भारतीय उत्पाद में कमियां निकालना और उसे बेहतर बनाने में मदद करना अच्छी बात है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

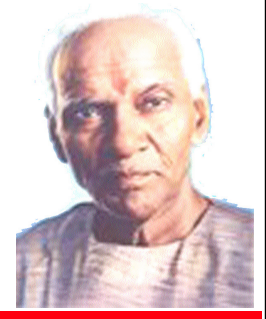

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पंचमी

संपादकीय

खुशी का इजहार करने के लिए और भी कई तरीके हैं

खुशी का इजहार करने के लिए और भी कई तरीके हैं। इनमें संगीत-नृत्य का आयोजन, नगाड़े एवं ढोलक बजाना, लोकगीत गायन या खुल कर नृत्य करना हो सकता है। भूले-बिसरे पारंपरिक तरीके भी अपनाए सकते हैं। सहभोज को भी इसमें शामिल किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि कुछ लोग खुशी की अभिव्यक्ति को केवल पटाखों से जोड़ कर क्यों देखते हैं। जब पटाखों पर सवाल उठता है, तब कई लोग तर्क देते हैं कि इससे हैं कि इससे अधिक वाहनों और फैक्टरियों से प्रदूषण फैलता है, तो इस पर भी गौर किया जाना चाहिए। इस तर्क में दम है, लेकिन वाहनों का निजी और सार्वजनिक उपयोग कहीं महत्त्वपूर्ण है। इसके समांतर पटाखों के पक्ष में के पक्ष में तर्कों को कसौटी पर रखना चाहिए। पटाखे हर तरह से पर्यावरण के लिए नुकसानदायक ही नहीं, खतरनाक भी हैं। अरबों रुपए के आर्थिक नुकसान के साथ हर वर्ष पटाखों से काफी लोगों की मौत हो जाती है। पटाखा फैक्टरियों में इन्हें बनाते समय और पटाखों का इस्तेमाल करने के दौरान कई लोग इसकी चपेट में आ जाते हैं।

कुछ समय पहले देश की सर्वोच्च अदाल ने पर्यावरण प्रदूषण से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई पर सुनवाई की थी। इस दौरान प्रधान न्यायाधीश ने दिल्ली-एनसीआर में ही पटाखों पर प्रतिबंध लगाने पर सवाल किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली - राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में ही क्यों पटाखों पर प्रतिबंध होना चाहिए? देश में जहां-जहां प्रदूषण की विकट समस्या है, उन शहरों और कस्बे में भी पटाखों पर प्रतिबंध क्यों नहीं होना चाहिए? 2 जितना अधिकार दिल्ली के लोगों को साफ हवा में सांस लेने का है, उतना ही जहां समस्या का भी है-

उन सभी शहरों के लोगों बेहद चिंताजनक बनी रहती है। अदालत के मुताबिक, प्रदूषण के संबंध जो भी नीति हो, वह अखिल भारतीय स्तर पर एक जैसी होनी चाहिए। पहले पांच मई 2025 को सर्वोच्च अदालत ने इसके ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और और राजस्थान सरकारों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों पर प्रतिबंध को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया था और चेतावनी दी थी कि इसका पालन न करने पर अवमानना की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले भी कई बार सर्वोच्च न्यायालय इस बाबत आदेश जारी कर चुका है। इन आदेशों का कितना पालन हुआ, यह सभी जानते हैं। हालांकि हरित पटाखों को लेकर कुछ हलकों में सकारात्मक धारणा रही।

पटाखों के इस्तेमाल से अनिद्रा, तनाव, कान के पर्दे फटने और बीमार लोगों के लिए बेहद गंभीर हालात पैदा करने जैसी तमाम परेशानियां सामने आती हैं। इनसे हुई गंदगी, उसके रसायन और बिखरे हुए कागज किसी मुसीबत से कम नहीं होते। मगर विडंबना यह है कि आम आदमी सभी तरह के आदेशों, , सरकारी प्रतिबंधों और परामर्श को हमेशा अनदेखा करता आया है। पटाखों पर तमाम पाबंदियों के बावजूद बड़े पैमाने पर पटाखे और सुतली बमों का इस्तेमाल होता है। दीपावली और उसके आसपास एक-दो दिन तक रास्ते में चलना भी मुश्किल हो जाता है। कई दिनों तक विषैले धुएं का गुबार वातावरण में छाया रहता है, जिससे सांस लेने में दिक्कत होती है। पटाखों की ऐसी लड़ी जलाई जाती है कि सड़क पर यह लोगों के लिए जानलेवा बन जाती है। सवाल यह है कि ये सब किसकी खुशी के लिए होता है ? इस त्योहार पर होड़ देखी जा सकती है कि देखते हैं कौन कितना आगे है पटाखे फोड़ने में। खबरों के मुताबिक, दिल्ली- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कई परिवार एक हजार से लेकर एक लाख रुपए तक के पटाखे कुछ ही घंटों में जला देते हैं।

जयप्रकाश नारायण

जयप्रकाश नारायण राजनीतिज्ञ और सिद्धांतवादी नेता थे। मातृभूमि के वरदपुत्र जयप्रकाश नारायण ने हमारे देश की सराहनीय सेवा की है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण त्याग एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति थे। कहा गया है-

होनहार वीरवान के होत चीकने पात-

जयप्रकाश विचार के पक्के और बुद्धि के सुलझे हुए व्यक्ति थे। जयप्रकाश जी देश के सच्चे सपूत थे। जयप्रकाश ने देश को अन्धकार से प्रकाश की ओर लाने का सच्चा प्रयास किया, जिसमें वह पूरी तरह से सफल रहे हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भारतीय जनमानस पर अपना अमिट छाप छोड़ी है। जयप्रकाश जी का समाजवाद का नारा आज भी गूँज रहा है। समाजवाद का सम्बन्ध न केवल उनके राजनीतिक जीवन से था, अपितु यह उनके सम्पूर्ण जीवन में समाया हुआ था।

जीवन परिचय- जयप्रकाश का जन्म 11 अक्तूबर, 1902 ई. में सिताबदियारा बिहार में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री देवकी बाबू और माता का नाम फूलरानी देवी थीं। इन्हें चार वर्ष तक दाँत नहीं आया, जिससे इनकी माताजी इन्हें बऊल जी कहती थीं। इन्होंने जब बोलना आरम्भ किया तो वाणी में ओज झलकने लगा। 1920 में जयप्रकाश का विवाह प्रभा नामक लड़की से हुआ। प्रभावती स्वभाव से अत्यन्त मृदुल थीं। गांधी जी का उनके प्रति अपार स्नेह था। प्रभा से शादी होने के समय और शादी के बाद में भी गांधी जी से उनके पिता का सम्बन्ध था, क्योंकि प्रभावती के पिता श्री ब्रजकिशोर बापू चम्पारन में जहाँ गांधी जी ठहरे थे, प्रभा को साथ लेकर गये थे। प्रभा विभिन्न राष्ट्रीय उत्सवों और कार्यक्रमों में भाग लेती थीं।

शिक्षा- जयप्रकाश नारायण एक निष्ठावान राष्ट्रवादी थे और सिर्फ़ खादी पहनते थे। जयप्रकाश ने रॉलेट एक्ट जलियाँवाला बाग़ नरसंहार के विरोध में ब्रिटिश शैली के स्कूलों को छोड़कर बिहार विद्यापीठ से अपनी उच्चशिक्षा पूरी की, जिसे युवा प्रतिभाशाली युवाओं को प्रेरित करने के लिए डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और सुप्रसिद्ध गांधीवादी डॉ. अनुग्रह नारायण सिन्हा, जो गांधी जी के एक निकट सहयोगी रहे द्वारा स्थापित किया गया था।। जयप्रकाश जी ने एम. ए. समाजशास्त्र से किया। जयप्रकाश ने अमेरिकी विश्वविद्यालय से आठ वर्ष तक अध्ययन किया और वहाँ वह मार्क्सवादी दर्शन से गहरे प्रभावित हुए।

स्वतंत्रता संग्राम में भाग- जयप्रकाश ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में कूदने का निश्चय किया, क्योंकि इन्हें मौलाना की एक गरज सुनाई पड़ी, जिसे उन्होंने पटना में ध्वनित किया था।

नौजवानों अंग्रेज़ी (शिक्षा) का त्याग करो और मैदान में आकर ब्रिटिश हुकूमत की ढहती दीवारों को धराशायी करो और ऐसे हिन्दुस्तान का निर्माण करो, जो सारे आलम में खुशबू पैदा करे।

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद- जयप्रकाश ने इस वक्तव्य को सुना तो उनके अंतर्मन में हलचल मच गया। जयप्रकाश पढ़ाई छोड़कर आंदोलन में कूद पड़े। भविष्य में जयप्रकाश जी प्रभा के साथ आ गये और नेहरू जी के यहाँ ठहरे। यहाँ उन्होंने देश को आज़ाद करने की विविध योजनाएँ बनाना आरम्भ कर दिया। एक दिन पटना में आचार्य नरेन्द्र देव की अध्यक्षता में समाजवादी कार्यकर्ताओं की राष्ट्रीय स्तर पर मीटिंग चल रही थी।

आज़ादी तो हमें तभी प्राप्त होगी, जबकि हम समाजवादी लड़ाई का मार्ग पकड़ें।

नरेन्द्र देव- वहाँ पर यह विचार भी बताया गया कि यह संघर्ष तभी सफल होगा, जबकि हम समाजवाद की राह का अनुसरण करें। कोई भी आंदोलन बिना मध्यमवर्गीय लोगों के सहयोग के सफल नहीं होता। भविष्य में कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का गठन हुआ तो जयप्रकाश को उसमें शामिल किया गया और उन्हें पार्टी का महासचिव बनाया गया। जयप्रकाश जी ने नई पार्टी की खूब सेवा की और उसका प्रचार एवं प्रसार किया। जयप्रकाश विलक्षण प्रतिभा से युक्त थे। उनकी बातों का भारतीय जनमानस पर अच्छा प्रभाव था। जयप्रकाश जी आजीवन मन से देश की सेवा करते रहे। उनके नेतृत्व में विभिन्न आंदोलन हुए। जयप्रकाश जी के निम्न आदर्श थे-

सत्य
निष्ठा
ईमानदारी
योगदान

जयप्रकाश जी के योगदानों के बारे में जितना कहा जाए वह कम है। ये अत्यन्त परिश्रमी व्यक्ति थे। इनकी विलक्षणता की तारीफ़ स्वयं गांधीजी और नेहरू जैसे लोग किया करते थे। भारत माता को आज़ाद कराने हेतु इन्होंने तरह-तरह की परेशानियों को झेला किन्तु इन्होंने अंग्रेज़ों के सामने घुटने नहीं टेके। क्योंकि ये दृढ़निश्चयी व्यक्ति थे। संघर्ष के इसी दौर में उनकी पत्नी भी गिरफ़्तार कर ली गईं और उन्हें दो वर्ष की सज़ा हुई। क्योंकि वह भी स्वतंत्रता आंदोलन में कूदी थीं और जनप्रिय नेता बन चुकी थीं। जयप्रकाश जी अपनी निष्ठा और चतुराई के लिए प्रसिद्ध थे। वे सच्चे देशभक्त एवं ईमानदार नेता थे। वे ब्रिटिश प्रशासन का समूल नष्ट करने पर तुले हुए थे। उन्होंने विश्व स्तर पर अपनी आवाज़ बुलन्द करते हुए कहा है कि विश्व के संकट को मद्देनज़र रखते हुए भारत को आज़ादी प्राप्त होना अति आवश्यक है। जब तक हम आज़ाद न होंगे, हमारा स्वतंत्र अस्तित्व क़ायम न होगा और हम विकास के पथ पर अग्रसर न हो सकेंगे।

महात्मा गांधी ने अपने सारवान भाषण में कहा था- करो या मरो÷-ये वाक्यांश जयप्रकाश बाबू के मन में सदैव गूँजता रहता था। फलतः उन्होंने देश को आज़ाद करने हेतु करो या मरो का निर्णय लिया। गांधीजी के इस महामंत्र का उन्होंने जमकर प्रचार व प्रसार भी किया। गांधीजी से प्रेरणा लेकर जयप्रकाश आगे बढ़ते गये और स्वतंत्रता का बिगुल बज उठा। जब जयप्रकाश की गिरफ़्तारी हुई तो ठीक दूसरे दिन महात्मा गांधी की भी गिरफ़्तारी हुई। सैकड़ों हज़ारों की संख्या में लोग अपने नेताओं की रिहाई की माँग करने लगे। अंग्रेज़ स्तब्ध रह गये। देश के कोने-कोने के कार्यकर्ता बन्दी बनाये गये। क्रान्ति की स्थिति सम्पूर्ण देश के सम्मुख आयी हज़ारों की संख्या में लोगों ने गिरफ़्तारियाँ दीं।

गिरफ़्तारी- जयप्रकाश 1929 में भारत लौटने पर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। भारत में ब्रिटिश हुकूमत के ख़िलाफ़ सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के कारण 1932 में उन्हें एक वर्ष की क़ैद हुई। रिहा होने पर जयप्रकाश ने कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के गठन में अग्रणी भूमिका निभाई, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का नेतृव्य करने वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भीतर एक वामपंथी समूह था। द्वितीय विश्व युद्ध में ग्रेट ब्रिटेन के पक्ष में भारत की भागीदारी का विरोध करने के कारण 1939 में जयप्रकाश को दुबारा गिरफ़्तार कर लिया गया, जयप्रकाश नारायण जी को हज़ारी बाग़ जेल में क़ैद किया गया था। बापू जयप्रकाश जी के जेल से भागने की योजना बनाने लगे। इसी बीच दीपावली का त्योहार आया और जेलर साहब ने जश्न मनाने हेतु नाच-गाने का भव्य प्रोग्राम तैयार किया था, लोग मस्ती में झूम रहे थे। इसी बीच जब नाच-गाने का कार्यक्रम हुआ तो 9 नवम्बर, 1942 ई. को जयप्रकाश अपने छः सहयोगियों के साथ धोती बांधकर जेल परिसर को लांघ गये। इसकी सूचना लन्दन तक पहुँची।

कुछ दिन बाद 1943 में जयप्रकाश और राममनोहर लोहिया दोनों लोग गिरफ़्तार कर लिये गये। किन्तु येनकेन प्रकारेण वे लोग फ़रार हो गये।

भविष्य में जयप्रकाश जी रावलपिंडी पहुँचे और वहाँ पर जयप्रकाश जी ने अपना नाम बदल लिया। किन्तु ट्रेन में किसी दिन सफ़र करते हुए जयप्रकाश जी को अंग्रेज़ पुलिस अफ़सर ने दो भारतीय सैनिकों की सहायता से गिरफ़्तार कर लिया। जयप्रकाश को लाहौर की काल कोठरी में रखा गया तथा इनकी कुर्सी पर बांधकर पिटाई की गई। भविष्य में इन्हें वहाँ से आगरा सेन्ट्रल जेल भेज दिया गया। इसी बीच ब्रिटेन में कन्जरवेटिव पार्टी की हार हुई और लिबरल पार्टी सत्ता में आयी।

ट्रम्प ने फिर भारत पर निकाली खुन्नस, इन भारतीय 9 कंपनियों और आठ लोगों पर लगा दिया बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान पर आर्थिक दबाव बनाने के लिए एक और बड़ा फैसला लिया है, लेकिन यूएस ने नई कार्रवाई करते हुए 9 भारत-आधारित कंपनियों और आठ भारतीय नागरिकों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका का आरोप है कि ये लोग ईरानी तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और पेट्रोकेमिकल्स के व्यापार में लगे हुए थे। दरअसल, अमेरिकी विदेश विभाग ने ईरानी पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के व्यापार में संलिप्तता के कारण लगभग 40 व्यक्तियों, संस्थाओं और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए।

इसके अलावा, अमेरिकी वित्त विभाग ने ईरान से विदेशी अंतिम उपयोगकर्ताओं तक तेल और LPG की शिपमेंट को सुगम बनाने में उनकी भूमिका के लिए 60 व्यक्तियों, संस्थाओं और जहाजों को भी बैन कर दिया है। इनमें चीन और संयुक्त अरब अमीरात सहित कुछ अन्य देशों की विभिन्न संस्थाओं पर भी प्रतिबंध लगाए गए हैं।

इन 8 भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध- अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ लिए गए इस एक्शन के तहत 8 भारतीय केमिकल और पेट्रोकेमिकल ट्रेडिंग कंपनियां अमेरिकी विदेश विभाग की प्रतिबंधित सूची में शामिल हैं। इनमें मुंबई स्थित सीजे शाह एंड कंपनी, केमोविक, मोदी केम, पारीकेम रिसोर्सेज, इंडिसोल मार्केटिंग, हरेश पेट्रोकेम और शिव टेक्सकेम, और दिल्ली स्थित बीके सेल्स कॉर्पोरेशन शामिल हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, इन कंपनियों ने पिछले कुछ सालों में कुल मिलाकर करोड़ों डॉलर मूल्य के ईरानी मूल के पेट्रोकेमिकल आयात किए हैं, जिन पर अमेरिकी प्रतिबंध लगे हैं। इसके अलावा, अमेरिका के विदेश विभाग की सूची में 5 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं- केमोविक के निदेशक पीयूष मगनलाल जाविया, इंडिसोल मार्केटिंग निदेशक नीति उन्मेश भट्ट, और हरेश पेट्रोकेम के निदेशक कमला कसाट, कुणाल कसाट और पूनम कसाट।वहीं, तीन भारतीय नागरिक–वरुण पुला, इयप्पन राजा और सोनिया श्रेष्ठ–ईरानी एलपीजी के परिवहन में लगे जहाजों से कथित जुड़ाव के कारण ओएफएसी द्वारा नामित किए गए हैं।

LG IPO भी नहीं तोड़ पाया RPower का ये नंबर-1 वाला रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस समय स्त्र इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया IPO की चर्चा जोरों पर है। LG के 11,607 करोड़ रुपये के IPO को लगभग 4.39 लाख करोड़ रुपये का गजब का रिस्पॉन्स मिला। इतने अच्छे रिस्पॉन्स के बाद भी यह रिलायंस पावर का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाया और भारतीय इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा IPO बनकर रह गया।

अनिल अंबानी की रिलायंस पावर ने 17 साल पहले जनवरी 2008 में 7.12 लाख करोड़ की बोलियां पाई थीं। जिसे अभी तक कई बड़ी कंपनियों ने भी हासिल नहीं किया है।

कोरियाई दिग्गज LG इलेक्ट्रॉनिक्स IPO 7 अक्टूबर को खुला और तीन दिन बाद कल बंद हुआ। कुल मिलाकर यह IPO 54.02 गुना सब्सक्राइब हुआ। योग्य संस्थागत खरीदारों ने 166.51 गुना सब्सक्रिप्शन के साथ सबसे ज्यादा मांग हासिल की। इसके बाद गैर-संस्थागत निवेशकों ने 22.45 गुना और खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों ने 3.55 गुना सब्सक्रिप्शन हासिल किया। कर्मचारी कोटे को भी 7.62 गुना की मजबूत प्रतिक्रिया मिली।

बिजनेसलाइन के डेटा के मुताबिक भारत के टॉप आईपीओ में 2008 में आया रिलायंस पावर का आईपीओ सबसे ऊपर है जिसका आकार 10,123 करोड़ रुपये था और संग्रह 7.12 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा।

आपके गुल्क में पड़े पैसे बन जाएंगे रॉकेट, यहां मिल रहा है 3 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज जरूरत की हर चीज डिजटलाइज होने लगी है। आज अगर आप सोने और चांदी में निवेश करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको इसे घर पर रखने की जरूरत नहीं है। आज फोन के जरिए गोल्ड ईटीएफ या सिल्वर ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं।

चांदी में बीते कई दिनों से सोने से ज्यादा तेजी देखी गई है। अगर आप चांदी से अपना पोर्टफोलियो चमकाना चाहते हैं, तो सिल्वर ईटीएफ निवेश के लिए सबसे बेहतरीन रहेगा। हालांकि अक्सर हमें ये समझ नहीं आता है कि कौन- से सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से सबसे ज्याद रिटर्न मिलेगा।

आदित्या बिड़ला सु सिल्वर ईटीएफ FOF ने तीन साल में सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है। इसका तीन साल का CAGR 37.38 फीसदी रहा है। इसका एक्सपेंस रेश्यो 0.30 फीसदी है। वहीं इसका AUM 371.90 करोड़ रुपये है। सिल्वर ईटीएफ एक तरह का कमोडिटी बेस फंड है। इसके जरिए निवेशक फिजिकल चांदी को खरीदे बिना, निवेश कर सकते हैं। सिल्वर ईटीएफ को आप शेयर्स की तरह ही खरीद और बेच भी सकते हैं। इसके साथ ही आप इसमें एसआईपी के जरिए भी निवेश कर सकते हैं।

सिल्वर ईटीएफ के बदले आपको यूनिट अलॉट की जाती है। यूनिट की वैल्यू चांदी में आई बढ़ोतरी या गिरावट पर निर्भर करती है। एक साल में जितना रिटर्न आपको किसी फिजिकल चांदी से मिलता है। उतना ही रिटर्न आप ईटीएफ में निवेश करके भी कमा सकते हैं।

इसमें खास बात ये हैं कि सिल्वर ईटीएफ में निवेश कर आप किसी तरह के मेकिंग चार्ज और अन्य तरह के चार्ज से बच सकते हैं।

कैसे करें निवेश- जैसे आपको शेयर्स में निवेश के लिए डीमैट खाते की जरूरत है, ऐसे ही सिल्वर ईटीएफ में निवेश के लिए आपको डीमैट खाते की जरूरत पड़ेगी। इसके बिना निवेश नहीं कर पाएंगे। आप किसी भी ब्रोकरेज ऐप के जरिए सिल्वर ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं।

दालों में आत्मनिर्भरता के लिए मिशन की शुरुआत करेंगे पीएम मोदी, रकबा और उत्पादकता बढ़ाने की क्या है योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' और 'पीएम धन-धान्य योजना' की शुरुआत करने जा रहे हैं। इस अवसर पर कृषि अवसंरचना कोष, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र की 1,100 से अधिक परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास भी किया जाएगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सरकार खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने को लेकर तत्परता से काम कर रही है। 2014 से अब-तक खाद्यान्न उत्पादन में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। गेहूं, चावल, मक्का, मूंगफली, सोयाबीन का उत्पादन रिकॉर्ड बढ़ा है। आज गेहूं और चावल में हम पूरी तरह आत्मनिर्भर हैं, लेकिन दलहन के मामले में अभी और प्रयास करने की जरूरत है।

सबसे बड़ा उत्पादक, फिर भी सबसे अधिक आयात

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि भारत दालों का सबसे बड़ा उत्पादक भी है उपभोक्ता भी, इसके बावजूद सबसे ज्यादा दालों का आयात भारत ही करता है। दालों में आत्मनिर्भरता के लिए 'दलहन मिशन' की योजना बनाई गई है।

केंद्रीय मंत्री ने 'दलहन मिशन' के तहत बुवाई क्षेत्रफल में बढ़ोतरी, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने की बात कही।

बाजार में गिरावट का नहीं दिख रहा कोई भय! SIP इनफ्लो में सितंबर महीने में बना नया रिकॉर्ड, पहली बार 29000 करोड़ के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने सितंबर में गजब की ग्रोथ हासिल की है। इस बार SIP इनफ्लो यानी निवेश पहली बार 29,361 करोड़ पहुंच गया। यह अब तक का सबसे ज्यादा है।

हालांकि नेट इक्विटी इनफ्लो अगस्त के मुकाबले सितंबर में 33,417 करोड़ से घटकर 30,405 करोड़ रहा। वहीं कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर 75.61 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। स्मॉलकैप और मिडकैप फंड्स में निवेश धीमा रहा, वहीं गोल्ड ETF में निवेशकों में बढ़त देखने को मिली है।

क्यों आई SIP में इतनी बड़ी उछाल- SIP में निवेश का रिकॉर्ड इसलिए टूटा क्योंकि रिटेल निवेशक लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन पर भरोसा बनाए हुए हैं। सितंबर में SIP इनफ्लो 29,361 करोड़ रहा। अगस्त में यह करीब 28,000 करोड़ था।

यह लगातार तीसरे महीना है जब SIP कलेक्शन 28,000 करोड़ से ऊपर है। बाजार की अस्थिरता के बावजूद निवेशक गिरावट में SIP खरीदारी कर रहे हैं।

कुल AUM (एसेट अंडर मैनेजमेंट) कितना रहा- सितंबर में म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का कुल AUM 75.61 लाख करोड़ रहा,जो अगस्त के 75.18 लाख करोड़ से बढ़ा है। यह दर्शाता है कि म्यूचुअल फंड्स में नेट इनवेस्टमेंट फ्लो और मार्केट अपमूव दोनों का असर रहा।

एएमएफआई के मुख्य कार्यकारी वेंकट एन. चालसानी के मुताबिक ÷म्यूचुअल फंड उद्योग ने सितंबर में अपनी विकास गति बनाए रखी, अग्रिम कर भुगतान से जुड़े अस्थायी आउट फ्लो के बावजूद कुल संपत्ति बढ़कर 75.61 लाख करोड़ हो गई। इक्विटी फंडों में लगातार 55वें महीने सकारात्मक निवेश देखा गया, जो दीर्घकालिक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में इक्विटी में निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है।

क्या बड़ी तेजी के लिए तैयार ICICI बैंक के शेयर? 1370–1380 के दायरे में कारोबार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी बैंकों के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है लेकिन प्राइवेट बैंक के स्टॉक मार्केट की तेजी में पूरी तरह से सहयोग नहीं दे रहे हैं। खासकर, निजी क्षेत्र के दो बड़े बैंक HDFC और ICICI बैंक के शेयर एक दायरे में कारोबार कर रहे हैं। हालांकि, आईसीआईसीआई बैंक के स्टॉक 1370 रुपये के अहम स्तर पर सपोर्ट बनाकर 1380 के ऊपर पर ट्रेड कर रहे हैं। टेक्निकल एनालिस्ट का मानना है कि 1385 के ऊपर क्लोज होने पर ICICI बैंकों के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है।

आनंद राठी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज में इक्विटी रिसर्च के सीनियर मैनेजर जिगर एस पटेल ने ICICI बैंक के शेयरों में निवेश व ट्रेडिंग के लिहाज से अहम स्तर बताए हैं।

ICICI बैंक के शेयर आज 1370 रुपये पर खुले और 1385 रुपये का हाई लगा दिया। मार्केट कैप के लिहाज से ICICI बैंक, भारत का दूसरा सबसे बड़ा बैंक है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

करवा चौथ के दिन छूटा साथ, पति की लंबी उम्र के लिए रखा था व्रत, पत्नी के बाद पति की भी मौत

गुना। केंट थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार जीप ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार पत्नी की मौत हो गई। पति दीपक कुशवाह को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल से भोपाल रेफर किया गया था, लेकिन उसकी गुना से ब्यावरा के बीच रास्ते में मौत गई। अनियंत्रित जीप पेड़ से टकरा गई, जिससे पेड़ तक उखड़ गया। वहीं जीप सवार पांच लोग भी घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के प्रत्यक्षदर्शी बताते हैं कि सुबह एक तेज रफ्तार जीप ने जेल रोड पर आकाशवाणी के समीप पहुंची, तभी आगे बाइक दिखते ही चालक ने ब्रेक लगा दिए, जिससे जीप घिसटते हुए बाइक में भिड़ गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार पति-पत्नी उछलकर लगभग 20 फीट दूर जा गिरे। इस हादसे में पत्नी प्रियंका कुशवाह की मौत हो गई जबकि पति दीपक कुशवाह गंभीर रूप से घायल हो गया। इधर, अनियंत्रित जीप एक पेड़ से टकरा गई।पेड़ जड़ से ही उखड़ गया

गति का अंदाजा इसी बात से लगता है कि पेड़ जड़ से उखड़ गया। इस हादसे में जीप चला रहा सचिन खटीक भी गंभीर रूप से घायल हुआ है, जबकि कार में बैठे शुभम धाकड़, अश्विन रघुवंशी, मोहित धाकड़ और रिहान खान को भी चोटें पहुंची हैं। सभी का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने आटोरिक्शा रोकने की कोशिश की, लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ।

इधर, सूचना पर मौके पर पहुंची एम्बुलेंस से सभी घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। इस संबंध में कैंट थाना पुलिस ने बताया कि जीप एमपी08-सीए-6598 किसी गप्पू यादव के नाम है, जिसे उक्त युवक मांगकर लाए थे। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।पत्नी का था करवा चौथ का व्रत, हाथों में सजी थी मेहंदी

बताया गया है कि बूढ़े बालाजी क्षेत्र के रहने वाले दीपक कुशवाह शुक्रवार सुबह पत्नी प्रियंका कुशवाह को आंगनबाड़ी के किसी काम से लेकर जा रहे थे। इसी बीच हादसा हो गया। पत्नी प्रियंका का आज करवा चौथ का व्रत था। उसके हाथों में मेहंदी सजी हुई थी।

1.45 करोड़ रुपये की लूटकांड में बड़ी कार्रवाई: सिवनी स्पष्टवक्ता पूजा पांडे निलंबित, नौ पुलिसकर्मी पहले ही सस्पेंड

सिवनी। चैकिंग के दौरान जीप वाहन से 1.45 करोड़ रुपये की लूट करने संबंधी संगीन आरोपों व विधिवत जब्ती ना बनाकर संदिग्ध आचरण में लिप्त नौ पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के निलंबन के बाद 10 अक्टूबर को डीजीपी कैलाश मकवाना ने आदेश कर सिवनी एसडीओपी पूजा पांडे को निलंबित कर दिया है।

निलंबित एसडीओपी को पुलिस मुख्यालय भोपाल अटैच किया गया है। 9 अक्टूबर की रात जबलपुर रेंज आईजी प्रमोद वर्मा ने चैकिंग दल में शामिल बंडोल थाना प्रभारी व उपनिरीक्षक अर्पित भैरम सहित नौ पुलिस कर्मचारियों को निलंबित किया था। वहीं, चैकिंग दल का नेतृत्व कर रही एसडीओपी (सीएसपी) पूजा पांडे के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव पुलिस मुख्यालय भोपाल भेजा गया है।पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार मेहता ने बताया कि वाहन से जब्त 1.45 करोड़ रुपये की रकम किसकी है, इसकी जांच की जा रही है। फरियादी ने अपनी शिकायत में

2 करोड़ 96 लाख 50 हजार रुपये की रकम होने का उल्लेख किया है।

प्रकरण में विस्तृत जांच की जा रही है। प्रकरण की निष्पक्ष जांच करने जबलपुर रेंज आइजी ने जबलपुर एएसपी आयुष गुप्ता को सिवनी भेजा है, जिन्हें तीन दिनों में पूरे घटनाक्रम की विस्तृत रिपोर्ट सौंपने कहा गया है।

वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं दी जब्ती की सूचना-जानकारी के अनुसार जब्त रकम महाराष्ट्र जालना के एक सोना-चांदी व्यापारी सोहनलाल परमार की बताई जा रही है। रकम को जीप वाहन (एमएच 13 ईके 3430) में सवार ड्रायवर व अन्य एक 8 अक्टूबर की रात कटनी से जालना लेकर जा रहा था। सीएसपी पूजा पांडे के नेतृत्व में सीलादेही फोरलेन में बुधवार रात चैकिंग के दौरान वाहन जीप को रोका गया।

सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान वाहन में निलंबित पुलिस कर्मचारियों को बड़ी रकम मिली। कथित रूप से ड्रायवर व उसके सहयोगी से मारपीट कर भगा दिया गया। वाहन में मिली रकम को पुलिस कर्मियों ने अपने कब्जे में कर लिया। लेकिन 9 अक्टूबर सुबह तक ना तो विधिवत जब्ती बनाई गई ना वरिष्ठ अधिकारियों को कार्रवाई की सूचना दी गई।

मामला रफा-दफा करने का किया प्रयास-जालना का व्यापारी व अन्य लोगों ने गुरूवार सुबह सिवनी कोतवाली पहुंचकर मामले में शिकायत दर्ज कराने पहुंचे, तो पीड़ितों को एसडीओपी कार्यालय बुलाकर प्रकरण को रफा-दफा करने का प्रयास किया गया। पुलिस की छवि को धूमिल करने वाली इस घटना की जानकारी जबलपुर व भोपाल के अधिकारियों तक पहुंचते ही विभाग में हड़कंप में मच गया। मामले में त्वरित संज्ञान लेकर जबलपुर रेंज आईजी प्रमोद वर्मा ने देर रात नौ पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। वहीं सिवनी सीएसपी पूजा पांडे पर कार्रवाई करने पुलिस मुख्यालय प्रस्ताव भेजा है।

इन पुलिस कर्मियों को किया निलंबित

आइजी ने संदिग्ध आचरण में फंसे बंडोल थाना प्रभारी व उपनिरीक्षक अर्पित भैरम, एसडीओपी कार्यालय में पदस्थ प्रधान आरक्षक माखन, रीडर रविंद्र उईके, प्रधान आरक्षक जगदीश यादव, योगेंद्र चौरसिया, आरक्षक चालक रितेश, गनमैन केदार व सदाफल तथा बंडोल के आरक्षक नीरज राजपूत को निलंबित किया है।

सभी को पुलिस लाइन सिवनी अटैच किया गया है। दोनों निलंबित गनमैन की पदस्थापना 8वीं वाहिनी विसबल छिंदवाड़ा है।

अरुणाचल में शहीद हुआ देवास का लाल, गश्त के दौरान गई जान, तीन दिन बाद मिला शव

देवास। देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए देवास जिले का एक और लाल मातृभूमि की सेवा में सर्वोच्च बलिदान दे गया। टोंकखुर्द तहसील के संवरसी गांव निवासी नायक संजय मीणा अरुणाचल प्रदेश में हुए एक हादसे में शहीद हो गए। संजय मीणा भारतीय सेना में अपनी ड्यूटी निभाते हुए देश की रक्षा में समर्पित थे।

एक हादसे में गई संजय की जान-संजय की यूनिट वर्तमान में हरियाणा के अंबाला में पदस्थ थी। कुछ दिन पूर्व वह अपनी यूनिट के साथ अरुणाचल प्रदेश में अभ्यास (मिलिट्री ट्रेनिंग) के लिए गए हुए थे। वहां चार दिन पहले एक रैकी और गश्त के दौरान दुखद हादसा हुआ। कठिन पहाड़ी इलाके में ड्यूटी के दौरान संजय मीणा एक गहराई में दब गए थे। सेना के जवानों ने लगातार तीन दिनों तक अथक प्रयास कर उन्हें बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें अंबाला यूनिट में वापस लाया गया, लेकिन डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

पूरे गांव में शोक की लहर-शुक्रवार को शहीद संजय मीणा का पार्थिव शरीर दिल्ली लाया गया। वहां से उसे इंदौर लाने की प्रक्रिया चल रही है। सेना सूत्रों के अनुसार पार्थिव शरीर शनिवार सुबह तक इंदौर पहुंचेगा, जिसके बाद सेना के वाहन से उसे गांव संवरसी लाया जाएगा। पूरे गांव में शोक की लहर है, वहीं शहीद के अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों और आसपास के क्षेत्रों के लोगों का जमावड़ा लगने की संभावना है।

सेना से सेवानिवृत्त हवलदार दिनेश सिंह चौहान ने बताया कि नायक संजय मीणा अपने कर्तव्य के प्रति हमेशा निष्ठावान और अनुशासित रहे। उनके परिवार की देशभक्ति की परंपरा भी उल्लेखनीय है, संजय के दो और भाई वर्तमान में भारतीय सेना में सेवाएं दे रहे हैं। नायक संजय मीणा की शहादत ने पूरे जिले को गर्व और शोक के मिश्रित भाव से भर दिया है।गांव में अंतिम संस्कार की तैयारी

सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर के दूसरे सप्ताह में तय की ओबीसी आरक्षण मामले की अंतिम सुनवाई

जबलपुर। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण मामले की सुनवाई हुई। इस दौरान राज्य शासन की ओर से बहस के लिए तैयारी के लिए समय दिए जाने का निवेदन किया। कोर्ट ने यह मांग स्वीकार करते हुए प्रकरण की अंतिम सुनवाई नवंबर के दूसरे सप्ताह में नियत कर दी। ओबीसी के होल्ड अभ्यर्थियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, वरुण ठाकुर, विनायक प्रसाद शाह, उदय कुमार व अजय सिंह यादव खड़े हुए। उन्होंने विगत सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख व ऑब्जर्वेशन के बावजूद तैयारी के नाम पर समय मांगे जाने का विरोध किया। राज्य शासन की ओर से अंतरिम स्थगनादेश को समाप्त किए जाने पर बल न दिए जाने पर भी आपत्ति दर्ज कराई।

सड़क से ठेला हटाने को कहा तो नशेड़ी ने सिपाही को ही जड़ दिए चांटे, वीडियो वायरल

ग्वालियर। जनकगंज थाने में पदस्थ सिपाही सत्यभान सिंह बीती रात थाने की मोबाइल वैन लेकर पुलिस कंट्रोल रूम जा रहा था। तभी सड़क पर एक युवक नशे में था और ठेला सड़क पर खड़ा किए हुए था। सिपाही ने उसे ठेला हटाने के लिए कहा तो वह सिपाही पर ही आक्रोशित हो गया और थप्पड़ मार दिए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गया।

इंदरगंज थाना क्षेत्र की है घटना

घटना इंदरगंज थाना क्षेत्र की है। इंदरगंज थाना पुलिस ने आरोपित पर एफआईआर दर्ज की और गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद जहां उसने सिपाही को पीटा था, उसी क्षेत्र में जुलूस भी निकाला। सीएसपी इंदरगंज रोबिन जैन ने बताया कि सिपाही सत्यभान पुलिस कंट्रोल रूम जा रहा था, वह रात्रि गश्त में था। जनकगंज थाने में पदस्थ एसआई मुनेंद्र सिंह भदौरिया की भी गश्त थी।मामूली बात पर हो गई लड़ाई

पुलिस कंट्रोल रूम से गश्त रवाना होती है। इसलिए वह थाने की मोबाइल वैन लेकर निकला। इसके बाद रोशनी घर रोड पर चाट का ठेला लगाने वाला रोहित पुत्र मोतीलाल रजक निवासी खटीक मोहल्ला बीच सड़क पर खड़ा था। तभी सिपाही गाड़ी लेकर निकला। जब उसने हटने के लिए कहा तो मारपीट शुरू कर दी।

इंदौर शहर के व्यस्ततम मार्गों पर चलने वाले भारी वाहन निर्धारित समयावधि में रहेंगे प्रतिबंधित

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री शिवम वर्मा द्वारा इंदौर शहर में भार वाहनों के आवागमन को सार्वजनिक सुरक्षा एवं सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शहर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाये रखने के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया। जारी आदेशानुसार जिले में मोटरयान नियम-1994 के नियम-215 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मोटरयान अधिनियम-1988 की धारा-115 के तहत ट्रक/भार वाहक वाहन शहर में प्रतिबन्धित रहेंगे। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री वर्मा द्वारा जारी आदेश के मुताबिक लोहा मण्डी/अनाज मण्डी के लिए समस्त भारी वाहन तेजाजी नगर, आईटी पार्क चौराहा, मालवीय पेट्रोल पम्प से तीन इमली चौराहा, मालवीय पेट्रोल पम्प से देवास नाका तक प्रातः 06 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा शाम 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रतिबंधित रहेंगे। अब इनके लिए वैकल्पिक मार्ग बायपास से आने वाले भारी वाहन नेमावर रोड़, पालदा नाका, ईमली चौराहा, नवलखा और अग्रसेन चौराहा से होते हुये लोहा मण्डी आवागमन कर सकेंगे। इसी प्रकार राऊ गोल चौराहा राजेन्द्र नगर से आने वाले भारी वाहन चौईथराम चौराहा, राजीव गांधी चौराहा, आई.टी. पार्क चौराहा, तीन इमली, नवलखा, अग्रसेन चौराहा होकर लोहा मण्डी आवागमन कर सकेंगे। इसी तरह खण्डवा रोड़ से आने वाले वाहन भी नेमावर रोड़ से पालदा नाका, तीन इमली चौराहा, नवलखा, अग्रसेन चौराहा से होते हुये लोहा मण्डी आवागमन कर सकेंगे।

यदि उज्जैन की ओर से आने वाले भारी वाहन लोहा मण्डी क्षेत्र में आते है तो वे लवकुश चौराहा, एमआर-10, बापट, स्कीम नं0-136, देवास नाका से निपानिया, बाम्बे हॉस्पिटल, रेडिसन, स्टार चौराहा, लाभ गंगा, बेस्ट प्राइज से बायपास होकर नेमावर रोड़, पालदा, तीन इमली, नवलखा, अग्रसेन चौराहा से लोहा मण्डी आवागमन कर सकेंगे।

इसी तरह पोलोग्राउण्ड औद्योगिक केन्द्र प्रवेश करने वाले भारी वाहन रेलवे क्रासिंग ब्रिज निर्माणाधीन होने से प्रातः 06 बजे से 12 बजे तक तथा दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक प्रतिबंधित रहेंगे। इस मार्ग के लिए भार वाहक वाहनों का वैकल्पिक मार्ग लवकुश चौराहा से दीपमाला ढाबा, बाणगंगा ओवर ब्रिज से कुमार खाड़ी, मरीमाता चौराहा से पोलोग्राउंड तक रहेगा।

चंदन नगर चौराहे से पंचकुईया भारी वाहनों का आवागमन प्रातः 06 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दोपहर 3 बजे से रात्रि 11 बजे तक प्रतिबंधित रहेंगा।

चंदन नगर से वाहन गंगवाल, भारी राज मोहल्ला, अंतिम चौराहा, पंचकुईया, ट्रांसपोर्ट नगर आ जा सकेंगे।

कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा जारी उक्त आदेश के मुताबिक यह प्रतिबंध केवल भार वाहनों के लिये है, शेष हल्के वाहन जैसे कार/जीप, 407 के समकक्ष श्रेणी के वाहन तथा दुपहिया वाहन यथावत पूर्ववत् चालू रहेंगे। इस तरह शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों द्वारा यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करेंगे। वाहनों के सम्पूर्ण कागजात यथा रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस, पीयूसी, फिटनेस आदि वैध अवधि के होना आवश्यक है।

अनवर कादरी केस-पहली बार इंदौर में किसी पार्षद को अयोग्य घोषित किया,कोर्ट जा सकता है मामला

इंदौर। इंदौर में कांग्रेस के टिकट से पार्षद पद का चुनाव लड़े अनवर कादरी को भाजपा परिषद के पार्षदों ने बहुमत के आधार पर अयोग्य घोषित कर दिया है। इस मामले में कांग्रेस की तरफ से यह कहा गया कि पार्षद पद से हटाने का अधिकार संभागायुक्त को है। वैसे भी अभी तक कादरी पर दोष सिद्ध नहीं हुआ है। मामला कोर्ट तक जा सकता है, हालांकि जब सम्मेलन में यह प्रस्ताव आया तो कांग्रेस पार्षद वॉकआउट कर सदन के बाहर चले गए थे। दो तिहाई बहुतमत के आधार पर कादरी की पार्षदी छिन ली गई। इंदौर नगर निगम में 40 वर्षो के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी पार्षद को अयोग्य घोषित किया गया हो। वर्ष 1994 में महापौर मधुकर वर्मा के कार्यकाल में एक बार एक कांग्रेस पार्षद को अयोग्य घोषित करने की मांग नगर निगम कर्मचारियों ने पुरजोर तरीके से उठाई थी,क्योकि वे कर्मचारियों से गालियां देकर बातें करते थे। आपको बता दे कि अनवर कादरी पर लव जिहाद की फंडिग सहित पंद्रह से ज्यादा आपराधिक केस विभिन्न थानों में दर्ज है। उसे अपराध की दुनिया में डकैत के नाम से भी जाना जाता है। फिलहाल वह जेल में बंद है।अब आगे क्यापार्षद अनवर कादरी ने अपना जबाव पेश किया। उधर संभागायुक्त कार्यालय की तरफ से अभी पार्षद को अयोग्य घोषित करने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। पूर्व संभागायुक्त दीपक सिंह ने पुलिस विभाग से पार्षद के आपराधिक केसों के बारे में जानकारी मंगाई थी। इसके बाद कादरी को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने के कहा गया था, लेकिन उसके बाद आगे एक्शन नहीं लिया गया। कादरी इसी आधार बनाकर कोर्ट की शरण ले सकता है।लव जिहाद के समर्थन में है क्या कांग्रेसमेयर पुष्य मित्र भार्गव का कहना है कि कादरी के पार्षद बने रहने से शहर की धूमिल होती है। इस कारण हमने उन्हें हटाने का प्रस्ताव मंजूर किया, लेकिन जब इस प्रस्ताव पर चर्चा होती थी। तब कांग्रेस पार्षद अपनी बात बगैर रखे सदन छोड़कर चले गए।

शहर के 33 ब्लैक स्पॉट पर तीन दिनों में युद्ध स्तर पर होगा काम

इंदौर। इंदौर शहर में दुर्घटनाएं रोकने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने गुरुवार देर शाम को सड़क सुरक्षा के मद्देनजर बैठक आयोजित की। बैठक में मुख्य रूप से नेशनल हाईवे, पीडब्ल्यूडी और एमपीआरडीसी विभाग को तीन दिनों में शहर के चिन्हित 33 ब्लैक स्पॉट पर कार्य करने की हिदायत दी है। शहर में ऐसे 33 स्थान चिन्हित किये गए हैं, जहां ब्लैक स्पॉट होने से दुर्घटनाएं हुई हैं। इसलिए प्राथमिक रूप से इन स्थानों पर युद्ध स्तर पर तीन दिनों में साइनेज लगाने के साथ ही लाइट और रम्बल स्ट्रिप अनिवार्य रूप से लगाई जाएगी। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए हैं कि इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाए। तीन दिनों बाद इन सभी स्थानों का वे स्वयं निरीक्षण भी करेंगे। कोई भी दुर्घटना न हो, ऐसे उपाय विभागों द्वारा अनिवार्यता से किये जायें। बैठक में एडीएम श्री रोशन राय सहित नेशनल हाइवे, नगर निगम, एमपीआरडीसी, यातायात पुलिस और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी मौजूद रहें।

जिला प्रशासन द्वारा जो ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये गये हैं उनमें लवकुश चौराहा, रिजलाय फाटा धार रोड, देवास नाका चौराहा, बेस्ट प्राइज के सामने बायपास रोड, ओमेक्स सिटी बायपास रोड, डेक्थनॉल के सामने बायपास रोड, टाटा शोरूम के सामने एबी रोड, बिचौली मर्दाना ब्रिज के ऊपर बायपास, तीन इमली चौराहा, रालामण्डल चौराहा बायपास रोड, तेजाजी नगर ब्रिज के ऊपर एबी रोड, कैलोद करताल फाटा बायपास रोड, राऊ गोल चौराहा, आईटी पार्क चौराहा, विशेष जूपीटर हॉस्पिटल के सामने रिंग रोड, प्रभु तौल कांटे के पास नेमावर, ट्रेंचिंग ग्राउंड के सामने नेमावर रोड देवगुराड़िया, ग्राम माचल, महू ड्रनीचम रोड घाटाबिल्लौद, काला सूरा फाटा इंदौर धार रोड, ए बी रोड भैरुघाट पुलिया के पास ग्राम कालाकिराय, ए बी रोड अर्जुन बरोदा, डकाच्या ए बी रोड, बुड़ी बरलाई, कल्याण मील, लसुडिया परसार, टीही पुलिया फॉरलेन रोड, पिगडम्बर, माँ वैष्णो ढाबा, इंदौर खंडवा रोड भैरूघाट, इंदौर खंडवा बाई ग्राम और दुधिया पावर हाउस के सामने नेमावर रोड शामिल हैं। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चिन्हित ब्लैक स्पाट्स पर दुर्घटनाओं को रोकने हेतु प्रभावी कार्रवाई की जाये।

विजय नगर क्षेत्र में आरटीओ की कार्रवाई जारी

इंदौर। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) की टीम ने गुरुवार को इंदौर शहर के विजय नगर इलाके में कार्रवाई करते हुए ट्रैफिक बाधित कर रही दो बसों को जब्त किया। टीम ने दुकानदारों को भी चेतावनी दी कि वे अपने वाहनों के कारण यातायात बाधित न करें। आरटीओ श्री प्रदीप कुमार शर्मा ने बताया कि लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि विजय नगर से भमोरी होकर एमआर-9 लिंक रोड पर बसें खड़ी रहने से ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है। इस मार्ग पर बस बॉडी निर्माण का काम होता है, और बॉडी निर्माता अक्सर बसों को सड़क किनारे तक खड़ा कर देते हैं।

गुरुवार को एआरटीओ अर्चना मिश्रा के नेतृत्व में उड़नदस्ते की टीम ने मौके पर पहुंचकर दो बसों को जब्त किया। जिन्हें विजय नगर आरटीओ में खड़ा किया गया है। श्री शर्मा ने बताया कि आरटीओ की टीम द्वारा ट्रैवल्स और लोक परिवहन बसों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिसमें शहर में लोक परिवहन, स्कूल बसों और अन्य वाहनों की नियमित जांच की जा रही है।

पीएम स्वनिधि योजना में 13.46 लाख हितग्राहियों को दिया गया 2 हजार 78 करोड़ का ऋण

इंदौर। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में शहरी पथ-विक्रेताओं को अपना व्यवसाय शुरू करने और आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिये पीएम स्वनिधि योजना में अब तक 13 लाख 46 हजार प्रकरणों में 2 हजार 78 करोड़ रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया है। इसके साथ ही राज्य सरकार की ओर से हितग्राहियों को ब्याज सब्सिडी के रूप में 30 करोड़ रुपये की राशि भी दी गई है।

पीएम स्वनिधि में देश में पहले स्थान पर- केन्द्र सरकार ने पीएम स्वनिधि योजना का पुनर्गठन कर इसकी अवधि 31 मार्च, 2030 तक बढ़ा दी है। पथ-विक्रेताओं को योजना का लाभ देने के मामले में मध्यप्रदेश पहले स्थान पर है। प्रदेश के 3 नगरीय निकायों उज्जैन, खरगोन और सारणी को सर्वाधिक ऋण वितरण के लिये पुरस्कृत भी किया जा चुका है। पीएम स्वनिधि योजना में 42 अन्य नगरीय निकायों एवं बैंक शाखाओं का चयन उल्लेखनीय कार्य के लिये राष्ट्रीय स्तर पर किया गया है।

हितग्राहियों को प्रशिक्षण- राज्य में पथ-विक्रेता योजना में सफलतापूर्वक काम कर सकें, इसके लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने नगरीय निकायों के माध्यम से क्षमता निर्माण के लिये प्रशिक्षण देने की भी व्यवस्था की है। हितग्राहियों को वित्तीय और डिजिटल साक्षरता, ई-कॉमर्स, पैकेजिंग, खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता का भी प्रशिक्षण दिलाया गया है।

ऋण सीमा में वृद्धि- योजना में चयनित हितग्राहियों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता राशि में भी वृद्धि की गयी है। योजना में पूर्व में 10 हजार के स्थान पर 15 हजार और 20 हजार के स्थान पर 25 हजार रुपये और अंतिम किश्त के रूप में 50 हजार रूपये की ऋण राशि दी जा रही है। डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिये हितग्राही को फुटकर लेन-देन पर 1200 रुपये और थोक व्यापार लेन-देन के लिये प्रतिवर्ष अधिकतम 400 रुपये तक कैश बेक की सुविधा दी जा रही है। पथ विक्रेता सुरक्षित रूप से व्यापार कर सके, इसके लिये नगरीय निकायों द्वारा आईडी प्रमाण-पत्र भी जारी किये गये हैं। पथ-विक्रेताओं और उनके परिवार को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाने के लिये जन-धन, पीएम सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति और पीएम श्रम योगी मानधन योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड, जननी सुरक्षा, श्रमिक कल्याण और पीएम मातृ वंदना योजना से भी जोड़ा गया है। योजना में जो हितग्राही समय पर किश्त जमा कर रहे हैं, उन्हें क्रेडिट कार्ड की भी सुविधा भी दी जा रही है।

इंदौर में मेट्रो का 17 किलोमीटर का ट्रायल रन,अब रेडिसन चौराहा तक संचालन की राह आसान

इंदौर। इंदौर में मेट्रो ट्रेन का 17 किलोमीटर का ट्रायल रन गुरुवार को पूरा हुआ। अब गांधी नगर से रेडिसन चौराहा तक मेट्रो का ट्रायल रन की राह आसान हो गई है। पहली बार मेट्रो ट्रेन सुखलिया ग्राम, विजय नगर और मालवीय नगर क्षेत्र के लोगों ने ट्रेक पर चलते हुए देखी। पहले दिन मेट्रो ट्रेन ने यह सफर एक घंटे में पूरा किया। पहली बार मेट्रो ट्रेन की स्पीड काफी कम रखी गई थी। अब धीरे-धीरे रफ्तार के साथ रेडिसन चौराहा तक मेट्रो का ट्रायल रन होगा। अगले साल तक 17 किलोमीटर तक मेट्रो का संचालन शुरू हो जाएगा।

गुरुवार दोपहर मेट्रो ट्रेन गांधी नगर स्टेशन से निकली। सात किलोमीटर तक स्पीड तेज रखी गई, लेकिन चंद्रगुप्त मोर्य प्रतिमा चौराहे के पास कम स्पीड में ट्रायल रन लिया गया।

पहली बार मेट्रो को देख शहरवासी रुक गए और हाथ हिलाकरअभिवादन करने लगे। हार्न बजाते हुए मेट्रो धीरे-धीरे रेडिसन चौराहा तक पहुंची, फिर गांधी नगर डिपो की तरफ रवाना हुई।

तीन स्टेशन तैयार नहींअभी मेट्रो के तीन स्टेशन पूरी तरह तैयार नहीं हुए है। इस कारण रेडिसन चौराह तक मेट्रो की सवारी शहरवासी टिकट लेकर नहीं कर सकते है। चार माह के भीतर तीनों स्टेशन तैयार हो जाएंगे। इसके बाद फिर मेट्रो कार्पोरेशन कमर्शियल रन की अनुमति लेगी। दो साल पहले मेट्रो का सात किलोमीटर का ट्रायल रन हुआ था।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के तहत् जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

उज्जैन । तम्बाकू मुक्त युवा अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को जिला चिकित्सालय , चरक भवन में जनजागृति हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें तम्बाकू के दुष्परिणाम के बारे में अवगत कराया गया एवं चिकित्सालय के अधिकारी, कर्मचारियों को तम्बाकू के उत्पादों का उपयोग न करने की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला चिकित्सालय उज्जैन डॉ. संगीता पलसानिया, आर.एम.ओ. जिला चिकित्सालय उज्जैन, डॉ. चिमन्य चिचोलीकर, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. अनिता भिलवार, मनोचिकित्सक डॉ. नीतराज गोड़, जिला तंबाकू नोडल अधिकारी डॉ. शिव मेनिया सहित चिकित्सालय के अधिकारी, कर्मचारी व अन्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला उज्जैन डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2025 में तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 का आयोजन 09 अक्टूबर से 60 दिवस तक किया जाएगा जिसके अन्तर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा जागरूकता, क्षमता निर्माण, नशामुक्ति सेवाएं का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत भारत में तम्बाकू का उपयोग अत्यधिक बीमारियों और मौतों का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। परिणाम स्वरूप प्रति वर्ष 13.5 लाख मौतें हो रही है। इसी दृष्टि से प्रदेश में ग्लोबल एडल्ट टोबेको सर्वे 2019 के अनुसार भारत में 13 से 15 वर्ष की आयु के 8.5 प्रतिशत और मध्यप्रदेश में 3.9 प्रतिशत (4.4 प्रतिशत बालक एवं 3.5 प्रतिशत बालिका) विद्यार्थी तम्बाकू का उपयोग करते है, जो कैंसर, हृदय संबंधी बीमारियों, मधुमेह, दीर्घकालिक फेफड़ों की बीमारी, स्ट्रोक, बांझपन, अंधापन, तपेदिक और मुख संबधित स्वास्थ्य समस्याओं के लिए एक प्रमुख कारण हैं।

जीवन में यदि सफलता प्राप्त करनी है, तो मानसिक रूप से सशक्त बनना चाहिए -डॉ. अजय भार्गव

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय उज्जैन में मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ, जेंडर क्लब, महाविद्यालयीन स्वास्थ्य समिति एवं लायंस क्लब उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित किया गया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय भार्गव ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्त्व को रेखांकित करते हुए वर्तमान युग में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और उसके समाधान पर चर्चा करते हुए बताया कि जीवन में यदि सफलता प्राप्त करनी है, तो हमें मानसिक रूप से सशक्त बनना चाहिए।

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. निखत परवीन एवं श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव ने मानसिक स्वास्थ्य को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ते हुए पंचकोषीय अवधारणा का मानसिक स्वास्थ्य में और जीवन में महत्त्व ज्ञानवर्धक जानकारी देते हुए बताया कि हम अपने व्यवहार और स्वभाव से हमारे अपनों के और स्वयं के न केवल मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं वरन् हम अपने आसपास एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण भी कर सकते हैं।

अंत में लायंस क्लब उज्जैन के अध्यक्ष श्री शिव बंसल एवं कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों द्वारा मुख्य वक्ताओं को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आनंद सिंदल ने किया एवं डॉ. पूजा साहू ने आभार व्यक्त किया। समस्त महाविद्यालयीन परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही।

21वीं सदी के बदलते परिदृश्य में कौशल डिग्री से अधिक महत्वपूर्ण

उज्जैन। उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देश अनुसार प्रधानमंत्री शासकीय माधव महाविद्यालय, उज्जैन में एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित किया गया। जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रोफेसर ए.के. बक्शी, मार्गदर्शक मदन मोहन मालवीय ट्रेनिंग सेंटर, नई दिल्ली ने कहा कि 21वीं सदी के बदलते परिदृश्य में कौशल डिग्री से अधिक महत्वपूर्ण है। कौशल के माध्यम से ही विद्यार्थियों के भविष्य की दिशा सुनिश्चित होगी। प्रयोगात्मक अधिगम और अधिगम केंद्र शिक्षा शास्त्र को अपनाने पर बल दिया। मदन मोहन मालवीय ट्रेनिंग सेंटर, नई दिल्ली की निदेशक, प्रो. विमल राह में विषय विशेषज्ञ के रूप में नई शिक्षा नीति के तहत ओवरऑल क्रेडिट फ्रेमवर्क को को बताते हुए गुरुकुल की यात्रा से वर्तमान तक शिक्षा के बदलते तकनीकी स्वरूप की चर्चा की।

श्री वल्लभ आनंद क्लब ने किया डॉ गुप्ता का सम्मान

उज्जैन। राज्य आनंद संस्थान म.प्र. शासन आनंद विभाग अन्तर्गत गठित श्री वल्लभ आनंद क्लब उज्जैन द्वारा डॉ सुशील गुप्ता का राष्ट्रीय स्तर के पद्मभूषण डॉ एस. के. मुखरजी अवॉर्ड मिलने पर अभिनंदन कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर क्लब संस्थापक मधु गुप्ता द्वारा डॉ सुशील गुप्ता के अनवरत चिकित्सीय योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई एवं आनंद विभाग के द्वारा किए जाने वाले कार्यों को बताया गया। आनंद विभाग के जिला समन्वयक डा प्रवीण जोशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज हम डॉ सुशील गुप्ता का सम्मान कर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। क्लब सचिव जितेंद्र मालवीय के द्वारा दीपावली को देखते हुए स्वदेशी चीजों को अपनाने की अपील व संकल्प कराया गया। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष अरुन्धती पेंढारकर, डॉ रश्मि श्रीवास्तव, पी. एल. डाबरे, अंकित शर्मा, सुमन जैन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

सिंहस्थ कार्यों पर ठप पड़ा काम, ठेकेदारों ने की हड़ताल

एस.टी.सी. के कार्यों में आने वाली समस्याओं का निराकरण करवाने की मांग

उज्जैन। एसटीसी (स्मार्ट ट्रांसफॉर्मेशन कंपनी) के अधीन कार्य करने वाले ठेकेदारों ने 10 अक्टूबर से काम बंद कर दिया है। ठेकेदारों की हड़ताल के चलते सिंहस्थ-2028 की तैयारियों से जुड़े महत्वपूर्ण विद्युत कार्य प्रभावित हो रहे हैं। 50 से अधिक ठेकेदारों ने एकजुट होकर कार्यपालन यंत्री आदित्य कटियार को हटाने की मांग की है।

ठेकेदारों का आरोप है कि कार्यपालन यंत्री कटियार द्वारा मनमानी और पक्षपात किया जा रहा है। उनका कहना है कि विभाग में केवल चहेते ठेकेदारों को ही कार्य दिया जा रहा है, जबकि बाकी ठेकेदारों को दरकिनार किया जा रहा है। ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि पूर्व में भी एसटीसी कार्यपालन यंत्री 3 करोड़ रुपये से अधिक का भ्रष्टाचार कर चुके हैं, जिसकी शिकायत सीएम कार्यालय तक की जा चुकी है।

हड़ताली ठेकेदारों ने विद्युत वितरण कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और चेतावनी दी कि जब तक आदित्य कटियार को पद से नहीं हटाया जाता, तब तक कोई भी ठेकेदार काम पर नहीं लौटेगा। इस आंदोलन के कारण सिंहस्थ की तैयारियों में बाधा आ रही है और कई जरूरी विद्युत प्रोजेक्ट्स अधर में लटक गए हैं। ठेकेदारों ने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की है, वहीं विभागीय अधिकारी स्थिति को संभालने में जुटे हुए हैं। हड़ताल जारी रहने से उज्जैन के विकास कार्यों पर असर पड़ने की आशंका गहराती जा रही है।

मुख्य अभियंता, म.प्र.प.क्षे. वि.वि.कं.लि. उज्जैन संभाग को शिकायत कर एस.टी.सी. के कार्यों में आने वाली समस्याओं का निराकरण करवाने की मांग की गई। जिसमें कहा गया कि एसटीसी के कार्यों के अंतर्गत ठेकेदारों को वर्तमान मे कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड रहा है।

एस.टी.सी. द्वारा 25 लाख रूपये तक के टेंण्डर पक्रिया शुरू की गयी है। जिसके कारण एस.टी.सी. के ठेकेदारो का कार्य करना मुश्किल हो रहा है। एवं विगत कई वर्षों से हम एम.एंड.ओ तक के कार्यों को भी अंजाम देते आ रहे है। ऐसे में हम कार्य नहीं कर पा रहे है।

एस.टी.सी. डिविजन उज्जैन में बिलिंग प्रकिया में अति विलंब हो रहा है।

विगत कई वर्षों से उज्जैन शहर की हर छोटी बडी समस्या जिसमें एम.एंड.ओ. पोल भी शामिल। हम ठेकेदार पूरी निष्ठा से आधी रात को भी कार्य करते आये है। परंतु आज समस्त योजना एवं सिंहस्थ के होने वाले कार्यों पर टेंडर सिस्टम कर दिया गया है। जिससे ठेकेदारों में भारी आकोश है।

उज्जैन के आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. भवनेश शंकर जोशी हुए सम्मानित

उज्जैन। उज्जैन के सुप्रसिद्ध आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ. भवनेश शंकर जोशी को मध्यप्रदेश का शीर्ष आयुर्वेद चिकित्सक सम्मान – वैद्य उद्धवदास मेहता स्मृति चिकित्सा सेवा सम्मान वर्ष 2025 से सम्मानित किया गया।

डॉ. जोशी उज्जैन के छठी पीढ़ी के आयुर्वेद चिकित्सक हैं और पिछले 12 वर्षों से अधिक अपने निजी श्री भीमाशंकर आयुर्वेद एवं पंचकर्म औषधालय के माध्यम से जनसेवा कर रहे हैं। कोविड काल के दौरान उन्होंने अग्रिम पंक्ति में रहकर समाज के लिए उल्लेखनीय सेवा की थी।

समारोह में कैबिनेट मंत्री कृष्णा गौर तथा महापौर मालती राय द्वारा डॉ. भवनेश शंकर जोशी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अन्य कई आयुर्वेद चिकित्सकों को भी सम्मानित किया गया, जिनमें डा. जगदीश टांक, वैद्य पं. ईश्वरी प्रसाद शर्मा, डा. श्रद्धा शर्मा, डा. आशुतोष शुक्ल, डा. शशांक झा, डा. नवनीत आर्य, डा. प्रियेश दीक्षित, डा. दर्पण गांगिल सहित अन्य चिकित्सक शामिल रहे। इस अवसर पर निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः ?20,000, ?11,000 तथा ?7,000 की नकद राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com